संकल्प एक प्रयास
प्रोजेक्ट- गरिमा

संकल्प – एक प्रयास

संकल्प – एक प्रयास गरिमा परियोजना के अंतर्गत वर्तमान में 25 गरिमा दीदियाँ, छत्तीसगढ़ के 250 गाँवों में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वे न केवल जागरूकता फैलाने का कार्य करती हैं, बल्कि एक प्रेरणा-स्त्रोत बनकर समुदाय में महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास की दिशा तय करती हैं।

गरिमा परियोजना

संकल्प एक प्रयास संस्था के तहत गरिमा परियोजना में किशोर-किशोरियों और महिलाओं को गरिमा मंच में गरिमा दीदी के माध्यम से समाज के संवेदनशील मुद्दों पर जागरूकता लाने का कार्य किया जा रहा है।

परिचय:

"गरिमा दीदी
गरिमा परियोजना के अंतर्गत एक परिवर्तनकारी पहल
 गरिमा दीदी" गरिमा परियोजना की एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण समुदायों की किशोरी बालिकाओं और महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस पहल के अंतर्गत, चयनित स्थानीय महिलाओं को ‘गरिमा दीदी’ की भूमिका दी जाती है, जो अपने-अपने गाँवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करती हैं।

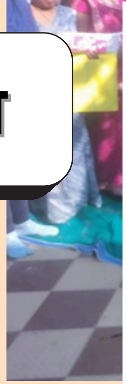

उद्देश्य एवं दृष्टिकोण

गरिमा दीदी पहल का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और किशोरियों को नेतृत्व, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक भागीदारी के माध्यम से सशक्त बनाना है। यह पहल एक ऐसे समाज की परिकल्पना करती है जहाँ महिलाएँ केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की अग्रदूत बनें।

मुख्य उद्देश्य

- महिलाओं को नेतृत्व कौशल और सामाजिक सहभागिता के लिए प्रशिक्षण देना।
- महिलाओं और बच्चों के बीच शिक्षा और साक्षरता का स्तर बढ़ाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना।

महिलाओं की सामुदायिक निर्णय-प्रक्रियाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करना।

एक ऐसी संरचना विकसित करना जहाँ महिलाएँ नीतिगत बदलाव की वाहक बन सकें।

गरिमा दीदी की भूमिका:

गरिमा दीदी अपने गाँवों में मार्गदर्शक, प्रशिक्षक, संप्रेषक और सामाजिक परिवर्तन की प्रतीक होती हैं। वे महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के लिए एक भरोसेमंद स्रोत होती हैं जो उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, सरकारी योजनाओं और सामाजिक अधिकारों की जानकारी उपलब्ध कराती हैं।

प्रमुख ज़िम्मेदारियाँ:

- सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक मुद्दों पर संवाद व जागरूकता सत्र आयोजित करना।
- महिलाओं और बच्चों को मार्गदर्शन, सहयोग और सहायता प्रदान करना।
- महिलाओं के अधिकारों, लैंगिक समानता और सामाजिक समावेशन के लिए सतत वकालत करना।
- सरकारी संस्थाओं, स्कूलों और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर विकासात्मक कार्यों को गति देना।

महिलाओं और किशोरियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ना।

भविष्य की कार्ययोजना

सशक्त नेतृत्व से सतत विकास की ओर

भविष्य की कार्ययोजना

भविष्य की कार्ययोजना
सशक्त नेतृत्व से सतत विकास की ओर
गरिमा दीदी पहल की सफलता को ध्यान में रखते हुए, आगामी वर्षों में इसे और अधिक सशक्त, संगठित और व्यापक रूप से लागू करने की योजना बनाई गई है। भविष्य की कार्ययोजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं और किशोरियों के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक सशक्तिकर

प्रमुख आगामी गतिविधियाँ:

• अधिक गाँवों में विस्तार: अगले चरण में गरिमा दीदी नेटवर्क को 250 से बढ़ाकर 400 गाँवों तक पहुँचाने की योजना।

• लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम: गरिमा दीदियों के लिए उन्नत नेतृत्व, संचार कौशल और सामुदायिक प्रबंधन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

स्वास्थ्य शिविर और पोषण अभियान:
प्रत्येक गाँव में त्रैमासिक स्वास्थ्य परीक्षण, माहवारी प्रबंधन और पोषण से संबंधित अभियान चलाए जाएंगे।

- स्थानीय शासन एवं सरकारी संस्थाओं के साथ समन्वय:
- पंचायत, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्रों के साथ नियमित बैठकें और संयुक्त कार्यक्रम संचालन की रणनीति।

- डिजिटल साक्षरता
- गरिमा दीदियों को स्मार्टफोन और डिजिटल टूल्स के उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे योजनाओं और सेवाओं की जानकारी तकनीकी माध्यम से दे सकें।

- प्रभाव मूल्यांकन समय-समय पर सर्वेक्षण और केस स्टडीज़ के माध्यम से कार्यक्रम के प्रभाव का मूल्यांकन और सुधार की योजना।

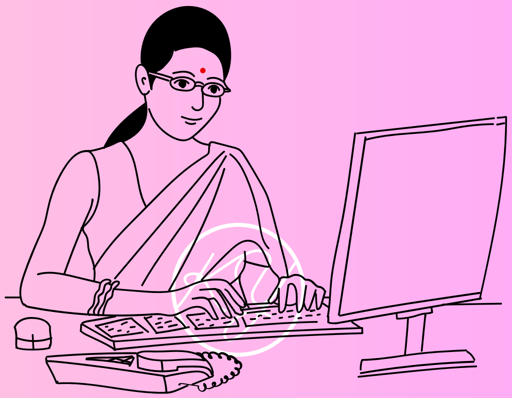

गरिमा दीदी अपनी भूमिका गरिमा मंच के तहत सर्वे, बैठक कार्यशाला के रूप में समुदाय और किशोरियों को जागरुक करते हुए उन्हें सशक्त में प्रयासरत हैं।

गरिमा दीदी केवल एक पद नहीं, बल्कि परिवर्तन की एक पहचान है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को सामाजिक नेतृत्व की भूमिका में लाकर उन्हें सामुदायिक बदलाव की दिशा में सक्रिय बनाती है।

इसके माध्यम से महिलाएँ आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बन रही हैं — जो एक समावेशी और न्यायसंगत समाज की आधारशिला रखती हैं।

संकल्प एक प्रयास सोसायटी भिलाई
विराट नगर उतई दुर्ग छत्तीसगढ़
www.sankalpekprayas.org